

रेड टेप को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले पद्मश्री इरशाद मरिजा का नधिन

चर्चा में क्यों?

4 दिसंबर, 2022 को रेड टेप को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले, चर्म नरियातक और मरिजा इंटरनेशनल के चेयरमैन पद्मश्री इरशाद मरिजा का बीमारी के चलते नधिन हो गया। वे 87 वर्ष के थे।

प्रमुख बदि

- इरशाद मरिजा ने कंपनी की शुरुआत की 1979 में की थी, जो लेदर बनाने और टैनिंग व फनिशिंग के लिये काम करती है। कंपनी में बनने वाला लेदर वदिश में भी एक्सपोर्ट होता है। उनका नाम फोरब्स मैगजीन की प्रभावशाली उद्योगपतियों की सूची में आ चुका है।
- इरशाद मरिजा ने अपने कैरियर की शुरुआत वर्ष 1973 में चमड़े के सामान (काठी उत्पाद) के एक नरियातक के तौर पर की। 32 वर्षों की अवधि में उन्होंने एक नरियात व्यवसाय खड़ा किया, जिसका कारोबार लगभग 350 करोड़ रुपए है। इसमें 11000 लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार से जुड़े हैं। वर्ष 1975 में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समकालीन काठी (सैडलरी) वकिसति की और इसे ऑस्ट्रेलिया ले गए, जहाँ इसे खूब पसंद किया गया।
- गौरतलब है कि इरशाद मरिजा राजनाथ सहि की उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।
- इरशाद मरिजा ने एक शैक्षणिक संस्थान, एक साहित्य प्रचार अकादमी और कई अन्य संस्थानों की स्थापना की है। वह रोटरी क्लब के कानपुर चैप्टर के अध्यक्ष भी रहे हैं।
- मरिजा फाउंडेशन से उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के श्रमिकों और ग्रामीणों को उच्च श्रेणी की चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करने के लिये अपने कारखानों के पास 100 बसितरों वाला अस्पताल भी बनवाया है।
- वह चमड़ा नरियात परिषद के अध्यक्ष, एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के प्रबंध समिति के सदस्य तथा उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन के नदिशक की जम्मेदारियाँ सँभाल चुके हैं।